थी तथा मना करने पर बीते रोज को सांय मेरे माता के साथ जबरदस्ती

पर कोतवाली पौडी पंजीकृत कर विवेचना उपनिरीक्षक पूनम शाह

आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

साथ ही बताया कि जनपद स्तरीय युवा महोत्सव में विजेता प्रतिभागियों

भाग लिया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन युवा कल्याण अधिकारी

धन्यवाद व स्वागत किया। इस अवसर पर दौरान ब्लाक प्रमुख चंबा

अध्यक्ष विजय कठैत सहित कई लोग मौजूद रहे।

कक्षाओं में छात्रों की कम उपस्थिति पर कुलपति हुए नाराज

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

- कक्षाओं में 75 प्रतिशत उपस्थिति का पालन अनिवार्य
- शिक्षा की गुणवत्ता को फोकस करें
- विवि से सम्बद्ध सभी कॉलेजों को नियामक संस्थाओं के मानकोंका पालन करना अनिवार्य: कुलपति
- देश और समाज को नई दिशा देने में शिक्षक-छात्र की भूमिका महत्वपूर्ण

देहरादून। वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय यूटीयू के प्रो. कुलपति ओंकार सिंह ने सोमवार को ज्वालापुर हरिद्वार में स्थित विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कॉलेज रामानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एण्ड मैनेजमेंट और स्वामी दर्शनानन्दा इंस्टीट्यूट ऑफमैनेजमेंट एण्ड टैक्नोलॉजी तथा ओम बायो साइंस एण्ड फार्मेसी कॉलेज, रूड़की काकिया औचक निरीक्षण। औचक निरीक्षण के दौरान कुलपति ने सर्वप्रथम कक्षाओं में जा कर छात्रों की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया। छात्रों की उपस्थिति को देखकर कुलपति ने संबंधित संस्थानों के निदेशकों से सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रों की उपस्थिति रेगुलराइज करें तथा कक्षाओं में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति के मानकों का पालन अनिवार्य से संस्थानों द्वारा करवाया जाना चाहिए। साथ ही निदेशकों से कहा कि सभी पाठ्यक्रमों में शतप्रतिशत सिलेबस को परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व अध्यापित कराये जायें। कुलपति ने निरीक्षण के दौरान कक्षाओं में उपस्थित छात्र-छात्राओं से मुलाकात करते हुए उनसे कहा कि कक्षाओं में अपने शतप्रतिशत उपस्थिति दर्ज करायें और अपने भविष्य को संवारने के लिए मन से मेहनत करें जिससे कि आप अपने भविष्य को संवार सको। देश और समाज को नई दिशा देने में शिक्षक व छात्रों की अहम भूमिका होती है।

कुलपति सिंह ने कहा कि विविके अधीन संचालित समस्त सम्बद्ध संस्थानों को भी नियमाक संस्थाओं यथा-अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई, विवि अनुदान आयोग यूजीसी और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इण्डिया पीसीआई जैसी नियमाक संस्थाओं के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरानपायी गयी अव्यवस्थाओं पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए कुलपति ने कहा कि संस्थानों में व्याप्त अव्यवस्थित शैक्षणिक महौल में समय रहते सुधार लायें अन्यथा विश्वविद्यालया को शैक्षणिक सुधार हेतु सख्त कदम उठाने पड़ेगे ताकि छात्रों के भविष्य बचाया जा सके। संस्थान निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं की नियमित दैनिक उपस्थिति का वास्तविक विवरण प्रस्तुत नहीं कर पाये।

तीनों संस्थानों में निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कक्षाओं में शिक्षकों द्वारा छात्रों को पढ़ाये जा रहे विषयों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त कर शैक्षणिक गतिविधियों को साफ-सुथरा और पारदर्शिता से संचालित करने के सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता में तभी सुधार ला जा सकता है जब शिक्षक पूर्ण ईमादनदारी व लगन से शैक्षणिक कार्यों को करेंगे।

कुलपति ने इन संस्थानों के निदेशकों को सख्त निर्देशतदेते हुए कहा कि छात्रों से फीड़बैक लिया जाय कि कहां और किस स्तर पर छात्रों को परेशानियां आ रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता को फोकस किया जाय। शिक्षा की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता किसी भी सभ्य समाज को स्वीकार्य नहीं होगा ऐसा उनका मानना है।